

2016 (A)

सामाजिक विज्ञान

प्रथम पाली (First Sitting)

समय : 2 घंटे 45 मिनट]

[पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : 2013 (A) का निर्देश देखें।

ग्रुप-A : इतिहास (20 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

1. जर्मन राईन राज्य का निर्माण किसने किया था?
(क) लुई 18वाँ (ख) नेपोलियन बोनापार्ट
(ग) नेपोलियन-III (घ) बिस्मार्क
2. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन काँग्रेस की स्थापना कब हुई है?
(क) 1848 (ख) 1858 (ग) 1885 (घ) 1920
3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
विश्वव्यापी आर्थिक संकट देश से आरंभ हुआ।
4. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
हंगरी की राजधानी है।

5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
गैरीबाल्डी के कार्यों की चर्चा करें।
6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
स्लम पद्धति की शुरुआत कैसे हुई? 3
7. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
विश्व बाजार के स्वरूप को स्पष्ट करें। 3
8. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।
जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका का वर्णन करें। 3
अथवा,
भारत में मजदूर आंदोलन के विकास का वर्णन करें। 7

ग्रुप- B : भूगोल (20 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

9. सोपानी कृषि किस राज्य में प्रचलित है?
(क) हरियाणा (ख) पंजाब
(ग) बिहार में मैदानी क्षेत्र (घ) उत्तराखण्ड
10. देश के बाँधों को किसने 'भारत का मंदिर' कहा था?
(क) महात्मा गाँधी (ख) डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद
(ग) पंडित नेहरू (घ) स्वामी विवेकानन्द
11. सही शब्द से रिक्त स्थानों पूर्ति करें।
(i) समुद्री क्षेत्र में तट से किमी क्षेत्र तक राष्ट्रीय सम्पदा होती है।
(ii) कहलगाँव तापीय विद्युत परियोजना जिला में अवस्थित है।
12. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
बिहार में वन सम्पदा की वर्तमान स्थिति का वर्णन करें।
13. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
भारतीय कृषि की निम्न उत्पादकता के किन्हीं चार कारणों का उल्लेख करें। 3
14. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
पर्वतीय छायाकरण विधि का वर्णन करें। 3
15. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।
भारत के सीमेंट उद्योग का वर्णन करें। 7

अथवा,

पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को छायांकित कर नाम अंकित कीजिए—

- (क) गेहूँ उत्पादक क्षेत्र (ख) दिल्ली
(ग) विशाखापत्तनम बन्दरगाह (घ) लाल मिट्टी का क्षेत्र (ङ) अरब सागर

अथवा,

केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए—

भारत में चावल की खेती का वर्णन करें। 7

ग्रुप- C : लोकतांत्रिक राजनीति (17 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

16. भारत में औरतों के लिए आरक्षण की व्यवस्था किस संस्था में है?
(क) लोकसभा (ख) विधानसभा (ग) पंचायती राज (घ) राज्य सभा

17. राजनीतिक दलों का नीव सर्वप्रथम किस देश में पड़ी?
 (क) ब्रिटेन (ख) भारत
 (ग) फ्रांस (घ) संयुक्त राज्य अमेरिका
18. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।
 बंधुआ मजदूर किसे कहते हैं?
19. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
 ग्राम पंचायत के प्रमुख अंगों का वर्णन करें।
20. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
 सत्ता में साझेदारी से आप क्या समझते हैं?
21. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।
 राजनीतिक दलों के छः मुख्य कार्यों का वर्णन करें।
 अथवा,
 भाषा नीति क्या है?

ग्रुप-D : अर्थशास्त्र (17 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

22. भारत में वित्तीय वर्ष होता है
 (क) 1 जनवरी से 31 दिसम्बर तक (ख) 1 जुलाई से 30 जून तक
 (ग) 1 अप्रैल से 31 मार्च तक (घ) 1 सितम्बर से 31 अगस्त तक
23. सोने के आभूषण की शुद्धता की पहचान किस चिह्न से की जाती है?
 (क) ट्रेड मार्क (ख) हॉल मार्क
 (ग) एगमार्क (घ) उल मार्ग
24. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें।
 आधारभूत संरचना किसे कहते हैं?
25. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
 समावेशी विकास से आप क्या समझते हैं?
26. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
 बचत क्या है?
27. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें।
 भारत में वैश्वीकरण का वर्णन करें।
 अथवा,
 विश्व व्यापार संगठन क्या है? यह कब और क्यों स्थापित किया गया?

ग्रुप-E : आपदा प्रबंधन (6 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

28. निम्न में से कौन मानव जनित आपदा है?
 (क) साम्प्रदायिक दंगे (ख) आतंकवाद
 (ग) महामारी (घ) इनमें से सभी
29. नदियों में बाढ़ आने का प्रमुख कारण क्या है?
 (क) जल की अधिकता (ख) नदी की तलों में अवसाद का अभाव
 (ग) वर्षा की अधिकता (घ) इनमें से कोई नहीं
30. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें।
 आपदा से आप क्या समझते हैं?

1. (ख)

2. (घ)

3. अमेरिका

4. बुडापेस्ट

5. इटली के एकीकरण का द्वितीय चरण गैरीबाल्डी की तलवार ने पूरा किया। वह युद्ध की नीति में विश्वास करता था। 1859 की घटनाओं से उत्प्रेरित होकर उसने आक्रामक नीति अपनाई। उसने सशस्त्र युवकों की एक टुकड़ी बनाई जो 'लाल कुर्ती' कहलाई। इनकी सहायता से उसने सिसली पर अधिकार कर वहाँ गणतंत्र की स्थापना की। वह पोप के राज्य पर भी आक्रमण करना चाहता था, परंतु कावूर ने इसकी अनुमति नहीं दी। गैरीबाल्डी महान देशभक्त और त्याग की प्रतिमूर्ति था।

6. 2014 (A) (द्वितीय पाली) के प्रश्न-संख्या 7 का उत्तर देखें।

7. आर्थिक गतिविधियों को स्वतंत्र रूप से संचालित होना सुनिश्चित करने के लिए बाजार के स्वरूप को विश्वव्यापी होना आवश्यक है। व्यापारियों, श्रमिकों, पूँजीपतियों, मध्यम-वर्ग तथा सामान्य उपभोक्ताओं के हितों को बाजार का विश्वव्यापी स्वरूप ही सुरक्षित रखता है। किसानों को अपनी उपज का अच्छा लाभ मिल जाता है, कुशल श्रमिकों को विश्व स्तर पर पहचान, महत्त्व तथा आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। रोजगार के नये अवसरों का सृजन भी विश्व बाजार ही में होता है।

8. 2014 (A) (द्वितीय पाली) के प्रश्न-संख्या 8 का उत्तर देखें।

अथवा,

यूरोप में औद्योगीकरण और मार्क्सवादी विचारों का प्रभाव भारत पर भी पड़ा। भारत में भी औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ मजदूर वर्ग में चेतना जागृत हुई। भारतीय मजदूरों ने भी स्वयं को एकता के सूत्र में बाँध लिया तथा वे अपने अधिकारों के लिए लड़ने-मरने को तैयार हो गए। अपनी माँगों की पूर्ति के लिए वे हड़ताल करने लगे।

1917 में अहमदाबाद में प्लेग की महामारी के कारण मजदूर शहर छोड़कर पलायन करने लगे। मजदूरों के पलायन को रोकने के उद्देश्य से मिल-मालिकों ने मजदूरों के वेतन में वृद्धि कर दी और उन्हें प्लेग बोनस दिया। फलस्वरूप मजदूरों का पलायन रुक गया। परन्तु महामारी खत्म होने पर मजदूरों को पुनः कम वेतन दिया जाने लगा। इससे मजदूरों में असंतोष फैलने लगा। प्रथम विश्वयुद्ध के कारण उत्पन्न महँगाई तथा वेतन और बोनस में कटौती के कारण मजदूर काफी परेशान थे। मजबूर होकर अहमदाबाद के मिल-मजदूरों ने हड़ताल का सहारा लिया।

भारत में साम्यवादी विचारों का प्रचार एवं प्रसार तेजी से हुआ। साम्यवादी विचारों की लोकप्रियता ने मजदूर आन्दोलन को अधिक सशक्त बनाया। मजदूरों के सशक्तीकरण से ब्रिटिश सरकार की चिंता बढ़ने लगी। सरकार ने मजदूरों के विरुद्ध दमनकारी रवैया अपनाया। इस क्रम में कुछ वामपंथी नेताओं को गिरफ्तार किया गया। इनमें दो अंग्रेज मजदूर नेता भी थे। इन्हें गिरफ्तार कर मेरठ लाया गया। इनपर देशद्रोह का मुकदमा चलाया गया। मेरठ में ही चार वर्षों तक मुकदमे की सुनवाई होती रही। इसे 'मेरठ षड्यंत्र' या 'मेरठ षड्यंत्र केस' कहा जाता है। इनमें से कुछ को सजा मिली और कुछ को रिहा कर दिया गया। इस केस (मुकदमे) के परिणामस्वरूप मजदूरों में एकता बढ़ गई।

9. (घ)

10. (ग)

11. (i) 12.2 (ii) भागलपुर

12. 15 नवम्बर, 2000 को वर्तमान बिहार, झारखण्ड से विभाजन के फलस्वरूप अस्तित्व में आया। विभाजन के बाद वन विस्तार में बिहार राज्य दयनीय स्थिति में आ गया है। यहाँ मात्र 6764.14 हेक्टेयर में वन क्षेत्र बच गया है। यह भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 7.1 प्रतिशत है। बिहार के 38 जिलों में से 17 जिलों में वन क्षेत्र समाप्त हो गया है। पश्चिमी चम्पारण, मुंगेर, बाँका, जमुई, नवादा, नालन्दा, गया, रोहतास, कैमूर और औरंगाबाद जिलों में वनों की स्थिति कुछ बेहतर है जिसका क्षेत्रफल 3700 वर्ग किलोमीटर है। विशेषज्ञों के शेष जिलों में अवक्रमित वन क्षेत्र है, वन के नाम पर केवल झाड़-झुरमुट बच गए हैं। विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार बिहार में कुल भूमि का केवल 4.6 प्रतिशत भाग ही वन क्षेत्र के अन्तर्गत है। बिहार में न केवल वन क्षेत्र ही कम है बल्कि इनका वितरण भी असमान है।

13. भारतीय कृषि की निम्न उत्पादकता के निम्नलिखित कारण हैं—

(i) बहुत क्षेत्रों में अभी भी कृषि के परम्परागत तरीकों बैल, हल, कुदाल का प्रयोग होना।

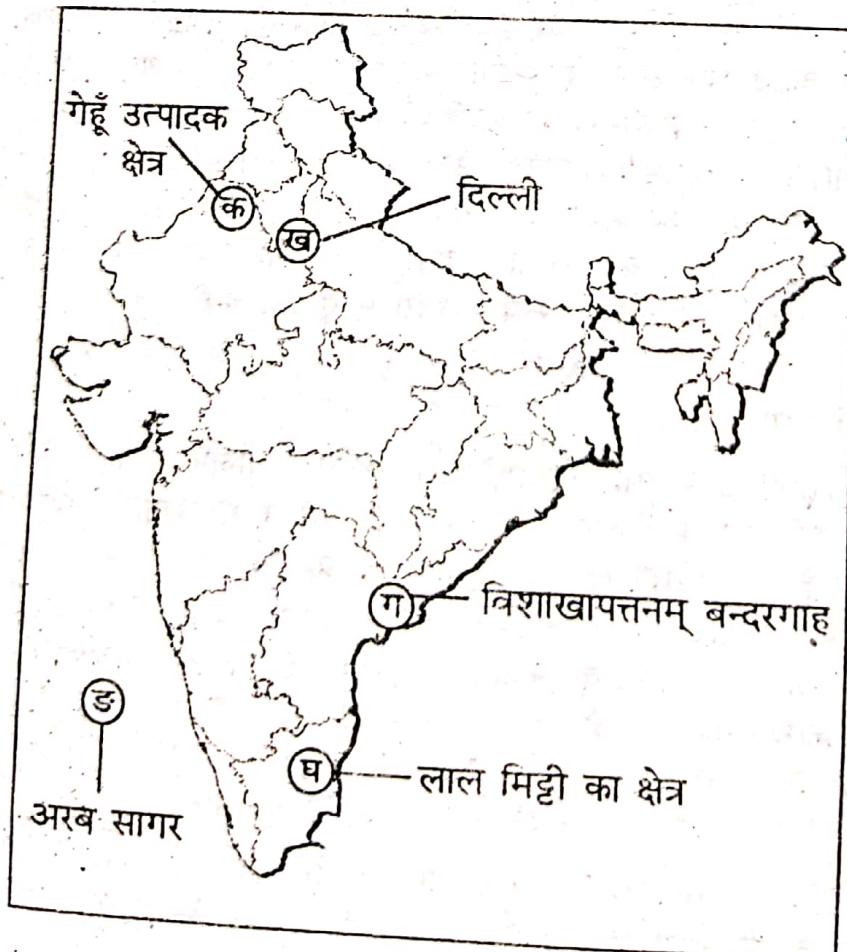
- (ii) कृषि के अधिकांश भाग का वर्षा पर निर्भर करना, फलतः कभी अतिवृष्टि तो कभी अनावृष्टि से उत्पादकता प्रभावित।
- (iii) भारत के अनेक भागों में अभी भी कृषि के अत्याधुनिक तकनीक, रासायनिक उर्वरक आदि का लगभग अपर्याप्त प्रयोग होने के कारण भी उत्पादकता कम होती है।
- (iv) भारतीय परिवेश में अधिसंख्य जनसंख्या द्वारा कृषि को अभी भी निर्वाहिक पेशे के रूप में अपनाया जाता है, जिससे जनसंख्या का अत्यधिक बोझ तो इसपर रहता है, किन्तु अधिक उत्पादकता प्राप्त नहीं हो पाती।

14. इस विधि के अंतर्गत भू-आकृतियों पर उत्तर-पश्चिम कोने पर ऊपर से प्रकाश पड़ने की कल्पना की जाती है। इसके कारण अंधेरे में पड़नेवाले हिस्से को या ढाल को गहरी आभा से भर देते हैं जबकि प्रकाश वाले हिस्से या कम ढाल को हल्की आभा से भर देते हैं या खाली भी छोड़ देते हैं। इस विधि से पर्वतीय क्षेत्रों के उच्चावच को प्रभावशाली ढंग से दिखाना संभव होता है लेकिन इन मानचित्रों से भी ढाल की मात्रा का सही ज्ञान नहीं हो पाता है।

15. आवास निर्माण एवं देश के ढाँचागत क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक देश है। भारत में कई तरह के सीमेंट का उत्पादन होता है। जैसे— साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट, पोर्टलैण्ड पोजोलोना, पोर्टलैण्ड ब्लास्ट फर्नेस, स्लैग सीमेंट, आयल बेल एवं सफेद सीमेंट आदि। सीमेंट उद्योग के लिए कच्चा माल जैसे— चूना-पत्थर, कोयला, सिलिका, एल्युमिनियम और जिप्सम की आवश्यकता होती है।

पहला सीमेंट संयंत्र 1904 ई. में चेन्नई में स्थापित किया गया था। आज देश में 159 बड़े तथा 332 से अधिक छोटे सीमेंट संयंत्र हैं। यह आँकड़ा 2008 ई. तक का है। इनकी कुल उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 1683 लाख टन है। यह उत्पादन का आँकड़ा 2004-2008 की रिपोर्ट के आधार पर है। चूँकि भारतीय सीमेंट की गुणवत्ता उत्तम है, अतः दक्षिण और पूर्वी एशिया के देशों में इसकी बहुत अधिक माँग है। इस समय (2007-2008 के आँकड़ों के अनुसार) देश में प्रतिवर्ष 20 करोड़ टन से अधिक सीमेंट का उत्पादन किया जाता है। निर्माण-उद्योग में सीमेंट के योगदान की महत्वपूर्ण भूमिका के फलस्वरूप इसके उत्पादन की दिशा में व्यापक प्रगति हुई है तथा इस उद्योग का उत्तरोत्तर उत्पादन तीव्र गति से बढ़ रहा है। इसके साथ ही इसके निर्यात में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

अथवा,



अथवा,

बिहार में धान की फसल के लिए उपयुक्त भौगोलिक दशाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ की जलवायु उष्ण एवं आर्द्र है। बिहार में गंगा नदी के उत्तर एवं दक्षिण भागों में उपजाऊ दोमट या गहरी दोमट मिट्टी उपलब्ध है जो धान की फसल के लिए काफी उपयुक्त है। पानी के लिए मानसून की वर्षा है। वर्षा नहीं होने की स्थिति में सिंचाई के साधन विकसित किए गए हैं। वर्षा और सिंचाई की व्यवस्था के बल पर यहाँ धान की खेती भदई, अगहनी और गर्मा तीनों फसल मौसमों में की जाती है। तापमान भी धान के लिए उपयुक्त है। सस्ते श्रमिक, वैज्ञानिक उपकरण तथा विस्तृत बाजार भी उपलब्ध हैं।

बिहार में धान की खेती मैदानी भागों में सबसे अधिक होती है। नवादा, खगड़िया और बेगूसराय जिलों को छोड़कर बिहार के शेष सभी जिलों में धान की खेती सर्वाधिक क्षेत्र में होती है। सुखाड़ और बाढ़ के कारण धान की फसल को भारी क्षति पहुँचती है। लगभग 41 प्रतिशत भूमि प्रतिवर्ष बाढ़ की चपेट में रहता है जबकि गया, औरंगाबाद, मुंगेर, नवादा, रोहतास जैसे जिले सूखे से प्रभावित रहते हैं। इससे उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होता है।

16. (ग)

17. (क)

18. बंधुआ मजदूर का अर्थ होता है— ऐसे मजदूर जिन्हें अपने निजी कार्यों अथवा कृषि कार्य करवाने के लिए एक प्रकार से बंधक बनाकर रखना। एक प्रकार से ऐसे मजदूर गुलाम के रूप में रखे जाते हैं। मध्ययुगीन विश्व में यह अमानवीय बंधुआ मजदूर (दास प्रथा) व्यापक रूप में प्रचलित थी। सामंत, जमींदार एवं पूँजीपति वर्ग के लोग असहाय, गरीब पुरुष एवं महिलाओं को अपने कार्य में रात-दिन लगाए रहते थे तथा उनके साथ अमानवीय व्यवहार करते थे। उनका पूरा परिवार उन सामंतों की सेवा में लगा रहता था। पिता के बाद उसकी संतान उनकी सेवा में लगी रहती थी तथा यह सिलसिला पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहता था।

19. 2013 (A) के प्रश्न-संख्या 18 का उत्तर देखें।

20. सत्ता में साझेदारी के कारण लोकतंत्र को 'जनता का शासन' कहा जाता है। अर्थात्, "जनता द्वारा सरकारी काम-काज में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने की क्रिया को सत्ता में साझेदारी कहते हैं।"

21. राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण कहा गया है। राजनीतिक दलों को सरकार का चतुर्थ अंग भी कहा जाता है। प्रातिनिधिक लोकतंत्र को राजनीतिक दल ही व्यावहारिक रूप देते हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक दल अग्रांकित छह महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं।

- (i) जनता को शिक्षित करना— आज का राजनीतिक जीवन बहुत जटिल हो गया है। राजनीतिक मामलों में जनता को शिक्षित करने का काम राजनीतिक दल ही करते हैं। वे अपने कार्यक्रम, नीति और दृष्टिकोण जनता के सामने रखते हैं। इससे जनता को राजनीतिक शिक्षा मिलती है।
- (ii) जनमत का निर्माण— राजनीतिक दल जनमत का भी निर्माण करते हैं। जनता के सामने अपने कार्यक्रम रखते हैं। इससे जनता देश की राजनीतिक समस्याओं पर अपना मत निश्चित कर पाती है। इस तरह, ठोस जनमत का निर्माण संभव होता है।
- (iii) निर्वाचन में भाग लेना— राजनीतिक दलों का सबसे प्रमुख कार्य चुनाव में भाग लेना है। चुनाव लड़ने के लिए वे अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं। जिस राजनीतिक दल के अधिक लोग निर्वाचित होकर आते हैं उसी की सरकार बनती है।
- (iv) शासन चलाना— राजनीतिक दल देश के शासन में मुख्य रूप से भाग लेते हैं। जिस राजनीतिक दल की सरकार बनती है उसे सत्तारूढ़ दल कहा जाता है। सत्तारूढ़ दल की बैठक में ही सरकार की महत्त्वपूर्ण नीतियों का निर्धारण होता है।
- (v) जनता और सरकार के बीच कड़ी का काम करना— ये जनता की माँगों एवं इच्छाओं को सरकार के सामने लाते हैं तथा उसे क्रियान्वित करवाते हैं। साथ ही, सरकार के कामों की जानकारी जनता तक पहुँचाकर दोनों के बीच कड़ी का काम करते हैं।
- (vi) विरोधी दल के रूप में— ये विरोधी दल के रूप में सरकार की नीतियों एवं कार्यों की आलोचना करते हैं। गलत नीतियों का विरोध कर सरकार पर नियंत्रण रखते हैं।

अथवा,

2012 (A) के प्रश्न-संख्या 30 का उत्तर देखें।

22. (ग)

23. (ख)

24. एक अर्थव्यवस्था की आधारभूत संरचना दो प्रकार की होती है— सामाजिक एवं आर्थिक। आर्थिक संरचना के अंतर्गत शक्ति, यातायात, संचार आदि ऐसी सभी सेवाओं को सम्मिलित किया जाता है जो हमारी उत्पादक क्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप में सहायता प्रदान करती हैं। सामाजिक संरचनाएँ हमारी आर्थिक प्रक्रिया की बाहर से अप्रत्यक्ष रूप में सहायता करती हैं, जैसे— शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आवास।

25. आर्थिक विकास की जिस पद्धति या प्रक्रिया से समाज के सभी वर्गों का जीवन-स्तर ऊँचा होता जाए तथा समाज का कोई भी वर्ग विकास के लाभ से अछूता न रहे, ऐसे ही विकास की क्रिया को समावेशी विकास कहा जाता है।

26. आय में से उपभोग पर किये गये व्यय को घटाने से जो शेष बचता है, उसे बचत कहते हैं। दूसरे शब्दों में, जब कुल आय का वह भाग जो चालू वस्तुओं को छोड़कर टिकाऊ वस्तु एवं सेवा के उपयोग पर खर्च किया जाता है, बचत कहा जाता है।

27. 2014 (A) (द्वितीय पाली) के प्रश्न-संख्या 25 का उत्तर देखें।

अथवा,

विश्व व्यापार संगठन एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना जनवरी, 1995 ई० में की गई। इस संगठन का उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना है। वर्तमान समय में 149 देश विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं। इसका मुख्यालय जेनेवा में है। यह संगठन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित नियमों को निर्धारित करता है। यह संगठन सभी देशों को मुक्त व्यापार की सुविधा देता है।

28. (घ)

29. (ग)

30. 2012 (A) के प्रश्न-संख्या 46 का उत्तर देखें।

□